## Difference between the Investment multiplier and acceleration.

- 1. **Definition**: The multiplier refers to the process by which an initial increase in spending results in a larger overall increase in national income. On the other hand, the acceleration principle describes the relationship where an increase in consumer demand leads to a rise in investment.
- 2. Propounded: The concept of the **multiplier** was introduced by economist **Lord Keynes**, while the concept of the **accelerator** was introduced by economist **Aftalion**.
- 3. Year: The concept of the **multiplier** was propounded by economist **Lord Keynes** in 1936 in his famous book, "**The General Theory of Employment, Interest, and Money.**"On the other hand, the concept of the **accelerator** was propounded by economist **Aftalion** in **1909**.
- 4. Formula: K = Change in Income/Change in Investment. Accelerator = change in capital/ Change in Income
- 5. **Focus**: The multiplier examines how spending circulates through the economy, generating additional expenditure. On the other hand, the acceleration principle investigates how changes in demand affect investment levels.
- 6. **Mechanism**: The multiplier operates through multiple rounds of consumption and respending, whereas the acceleration functions by adjusting investment in response to changes in demand.
- 7. **Trigger**: The multiplier is activated by an initial change in spending, such as government spending or private investment, whereas the acceleration is driven by changes in consumer demand.
- 8. **Timeframe**: Multiplier effects usually unfold over multiple periods as spending circulates through the economy, whereas acceleration effects typically arise when there are significant, often sudden, changes in demand.
- 9. **Impact on National Income**: The multiplier directly increases national income, whereas the acceleration indirectly affects income by stimulating investment.
- 10. **Role in Economic Growth**: The multiplier fosters growth by enhancing spending within the economy, whereas the acceleration drives growth by expanding productive capacity.
- 11. **Example**: Multiplier: When the government increases spending on infrastructure, it generates more jobs, raises income levels, and stimulates additional consumption. On the other hand, Acceleration: A rise in demand for cars leads car manufacturers to invest in more factories and machinery.
- 12. **Mathematical Representation**: The multiplier is expressed as 1/(1 MPC), whereas the acceleration is typically models as the ratio of changes in investment to changes in output.
- 13. **Application**: The multiplier concept is extensively applied in fiscal policy analysis to assess the impact of government spending on GDP, whereas the acceleration concept is utilized in business cycle theories to explain fluctuations in investment.
- 14. **Influence**: The multiplier affects both consumption and production, while the accelerator mainly impacts production capacity.
- 15. **Example in Recession**: During a recession, the multiplier effect can stimulate the economy by raising aggregate demand through increased government spending. In contrast, the acceleration principle may lead to a decline in investment if businesses expect reduced future demand.

## Difference between the Investment multiplier and acceleration.

## निवेश गुणक और त्वरक के बीच अंतर:

- 1. परिभाषाः निवेश गुणक वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा प्रारंभिक खर्च में वृद्धि से कुल राष्ट्रीय आय में अपेक्षाकृत बड़ी वृद्धि होती है। जबिक त्वरक उस संबंध को दर्शाता है जहाँ उपभोक्ता माँग में वृद्धि से निवेश में वृद्धि होती है।
- प्रितपादित: निवेश गुणक का सिद्धांत अर्थशास्त्री लॉर्ड केन्स द्वारा प्रतिपादित किया गया था, जबिक त्वारक का सिद्धांत अर्थशास्त्री आफ़्तालियन द्वारा प्रतिपादित किया गया था।
- 3. निवेश **गुणक** का सिद्धांत अर्थशास्त्री **लॉर्ड केन्स** द्वारा वर्ष **1936** में उनकी प्रसिद्ध पुस्तक "The General Theory of Employment,Interest and Money" में प्रतिपादित किया गया था। वहीं, **त्वरक** का सिद्धांत अर्थशास्त्री **आफ़्तालियन** द्वारा **1909** में प्रतिपादित किया गया था।
- 4. सूत्रः निवेश **गुणक =** आय में परिवर्तन/निवेश में परिवर्तन त्वरक =पुंजी में परिवर्तन /आय में परिवर्तन
- 5. **केन्द्र बिंदु: गुणक** इस बात पर केंद्रित है कि खर्च कैसे अर्थव्यवस्था में फैलता है और अतिरिक्त खर्च उत्पन्न करता है।जबिक **त्वरक** इस बात पर केंद्रित है कि माँग में बदलाव निवेश को कैसे प्रभावित करता है।
- 6. तंत्र: गुणक उपभोग और पुनः खर्च के दौरों के माध्यम से काम करता है। जबिक त्वरक माँग में बदलाव के कारण निवेश में बदलाव के माध्यम से काम करता है।
- 7. **प्रारंभिक बिंदु: गुणक** को खर्च में प्रारंभिक बदलाव (जैसे, सरकारी खर्च या निजी निवेश) से प्रेरित किया जाता है।जबिक **त्वरक** उपभोक्ता माँग में बदलाव से प्रेरित होता है।
- 8. **समयसीमा: गुणक** का प्रभाव कई अविध में होता है क्योंकि खर्च अर्थव्यवस्था में प्रवाहित होता है। त्वरक का प्रभाव माँग में अचानक और महत्वपूर्ण बदलावों के समय होता है।
- 9. **राष्ट्रीय आय पर प्रभाव: गुणक** सीधे तौर पर राष्ट्रीय आय को बढ़ाता है।जबिक **त्वरक** निवेश को प्रेरित करके अप्रत्यक्ष रूप से आय को प्रभावित करता है।
- 10. **आर्थिक वृद्धि में भूमिका**: **गुणक** अर्थव्यवस्था में खर्च बढ़ाकर वृद्धि का समर्थन करता है। इसके विपरीत **त्वरक** उत्पादन क्षमता में वृद्धि करके वृद्धि को बढ़ावा देता है।
- 11. **उदाहरण**: **गुणक** : सरकार इन्फ्रास्ट्रॅक्चर पर खर्च बढ़ाती है, जिससे अधिक नौकरियाँ, आय और उपभोग उत्पन्न होता है। इसके विपरीत **त्वरक** : कारों की माँग में वृद्धि से कार निर्माता अधिक फैक्टियों और मशीनरी में निवेश करते हैं।
- 12. **गणितीय अभिव्यक्ति: गुणक** को 1/(1 MPC) के रूप में दर्शाया जा सकता है। इसके विपरीत **त्वरक** को अक्सर निवेश में बदलाव का उत्पादन में बदलाव के अनुपात के रूप में दर्शाया जाता है।
- 13. **प्रयोग**: **गुणक** अवधारणा का उपयोग सरकार के खर्च का जीडीपी पर प्रभाव मापने के लिए किया जाता है।जबिक **त्वरक** अवधारणा का उपयोग व्यापार चक्र सिद्धांतों में निवेश में उतार-चढ़ाव को समझाने के लिए किया जाता है।
- 14. **प्रभाव**: **गुणक** उपभोग और उत्पादन दोनों को प्रभावित करता है। इसके विपरीत **त्वरक** मुख्य रूप से उत्पादन क्षमता को प्रभावित करता है।
- 15. **मंदी में उदाहरण**: मंदी के दौरान, **गुणक** प्रभाव आर्थिक मांग को बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकता है। इसके विपरीत **त्वरक** सिद्धांत निवेश में कमी कर सकता है यदि व्यवसाय भविष्य में कम मांग की उम्मीद करते हैं।